लिपि और देवनागरी *(Script & Devanagari)*

ध्वनियों को लिखने के चिह्नों की व्यवस्था लिपि है। हिंदी की लिपि देवनागरी है, जो बाएँ से दाएँ लिखी जाती है।

आधार · आरंभिक अवधारणा · अंतिम बदलाव 15 सितंबर 2026

परिभाषा

किसी भाषा की ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के लिए प्रयुक्त चिह्नों की व्यवस्था को लिपि कहते हैं।

भाषा ध्वनि से बनती है, और ध्वनि हवा में विलीन हो जाती है। उसे रोक लेने का साधन **लिपि** है।

लिपि भाषा नहीं है — वह भाषा को लिखने की **व्यवस्था** है। यही कारण है कि एक ही लिपि कई भाषाएँ लिख सकती है, और एक ही भाषा कई लिपियों में लिखी जा सकती है।

ध्यान दें

लिपि और भाषा को एक न समझें। **देवनागरी** लिपि है, **हिंदी** भाषा। देवनागरी में केवल हिंदी नहीं — संस्कृत, मराठी, नेपाली, कोंकणी और बोडो भी लिखी जाती हैं। इसी प्रकार कश्मीरी एक ही समय में देवनागरी और फ़ारसी दोनों लिपियों में लिखी जाती है।

प्रमुख भाषाएँ और उनकी लिपियाँ

भाषा	लिपि
हिंदी, संस्कृत, मराठी, नेपाली	देवनागरी
अंग्रेज़ी, फ़्रांसीसी, जर्मन	रोमन

भाषा	लिपि
उर्दू, फ़ारसी, अरबी	फ़ारसी / अरबी
पंजाबी	गुरुमुखी
बांग्ला, असमिया	बांग्ला
तमिल	तमिल
तेलुगु	तेलुगु

देवनागरी का विकास

देवनागरी अचानक नहीं बनी। उसका मूल **ब्राह्मी लिपि** है — वही लिपि जिसमें सम्राट अशोक के शिलालेख उत्कीर्ण हैं।

> विकास क्रम
>
> **ब्राह्मी → गुप्त लिपि → कुटिल लिपि → नागरी → देवनागरी**

ब्राह्मी से ही भारत की अधिकांश आधुनिक लिपियाँ निकली हैं — बांग्ला, गुजराती, गुरुमुखी, तेलुगु और तमिल सब उसी परिवार की हैं। यही कारण है कि इन लिपियों की वर्ण-व्यवस्था का **क्रम** एक-सा है, भले आकृतियाँ भिन्न हों।

> ध्यान दें
>
> भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में कहा गया है कि संघ की राजभाषा **देवनागरी लिपि में हिंदी** होगी, और अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा। लिपि का उल्लेख यहाँ स्पष्ट रूप से है — यह परीक्षा में पूछा जाता है।

देवनागरी की विशेषताएँ

देवनागरी को संसार की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपियों में गिना जाता है। इसके कारण ये हैं —

- **जैसा बोला जाता है, वैसा ही लिखा जाता है।** रोमन लिपि की तरह *put* और *but* का उच्चारण-भेद यहाँ नहीं होता, न ही अनुच्चरित अक्षर होते हैं।
- **एक ध्वनि के लिए एक ही चिह्न** है, और एक चिह्न की एक ही ध्वनि। कोई वर्ण दो तरह से नहीं बोला जाता।
- वर्णों का क्रम **उच्चारण-स्थान के आधार पर वैज्ञानिक** है — कंठ से आरंभ होकर ओष्ठ तक (क वर्ग कंठ से, प वर्ग ओष्ठ से)।
- लिखने की दिशा **बाएँ से दाएँ** है।
- शब्द के ऊपर एक सीधी **शिरोरेखा** खींची जाती है, जो अक्षरों को जोड़कर शब्द की सीमा स्पष्ट करती है।
- **छोटे-बड़े अक्षर (capital / small) का भेद नहीं** है, जिससे नियम सरल रहते हैं।

> ध्वनि और लिपि का मेल
>
> रोमन में एक ही ध्वनि कई तरह लिखी जा सकती है — *see*, *sea*, *scene*।
>
> देवनागरी में *सी* एक ही तरह लिखा जाएगा — जैसा सुना, वैसा लिखा।

देवनागरी की संरचना

देवनागरी **वर्णात्मक** लिपि है, पर पूरी तरह अक्षर-आधारित नहीं। इसकी व्यवस्था इस प्रकार है —

- हर व्यंजन में **अ** स्वर पहले से मिला रहता है — *क* वस्तुतः *क् + अ* है।
- अन्य स्वर जोड़ने के लिए **मात्रा** लगाई जाती है — क, का, कि, की, कु, कू।
- स्वर हटाने के लिए **हलंत (्)** लगाया जाता है — *क्*।
- दो व्यंजन बिना स्वर के मिलें तो **संयुक्त अक्षर** बनता है — क् + ष = **क्ष**।

> ध्यान दें
>
> इसी कारण देवनागरी को शुद्ध वर्णमाला (alphabet) न कहकर **अक्षरात्मक-वर्णात्मक** या *abugida* कहा जाता है — क्योंकि इसकी मूल इकाई अकेला व्यंजन नहीं, बल्कि स्वर-सहित अक्षर है।

वर्णों की पूरी सूची, स्वर-व्यंजन के भेद और मात्राओं का विस्तार **वर्णमाला** के प्रकरण में देखें।

देवनागरी में सुधार के प्रयत्न

समय-समय पर लिपि को सरल बनाने के प्रयत्न हुए — मुद्रण की सुविधा के लिए संयुक्त अक्षरों को खड़ी पाई से लिखना (*कृष* के स्थान पर *क्ष*), और मात्राओं का मानकीकरण। भारत सरकार ने 1966 में **मानक देवनागरी वर्णमाला** प्रकाशित की, जो आज पाठ्यपुस्तकों में प्रयुक्त होती है।

अभ्यास

उत्तर देखने से पहले स्वयं सोचें।

लिपि किसे कहते हैं?

उत्तर किसी भाषा की ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के लिए प्रयुक्त चिह्नों की व्यवस्था को लिपि कहते हैं।

लिपि और भाषा में क्या अंतर है? उदाहरण दीजिए।

उत्तर भाषा ध्वनि से बनी विचार-विनिमय की व्यवस्था है; लिपि उसे लिखने का साधन है। देवनागरी लिपि है और हिंदी भाषा — देवनागरी में हिंदी के अतिरिक्त संस्कृत, मराठी, नेपाली और कोंकणी भी लिखी जाती हैं।

देवनागरी का विकास क्रम बताइए।

उत्तर ब्राह्मी → गुप्त लिपि → कुटिल लिपि → नागरी → देवनागरी। ब्राह्मी वही लिपि है जिसमें सम्राट अशोक के शिलालेख उत्कीर्ण हैं।

देवनागरी की चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर जैसा बोला जाता है वैसा ही लिखा जाता है; एक ध्वनि के लिए एक ही चिह्न है; वर्णों का क्रम उच्चारण-स्थान के आधार पर वैज्ञानिक है; यह बाएँ से दाएँ लिखी जाती है और शब्द के ऊपर शिरोरेखा होती है। छोटे-बड़े अक्षरों का भेद भी नहीं होता।

देवनागरी को शुद्ध वर्णमाला क्यों नहीं कहा जाता?

उत्तर क्योंकि इसकी मूल इकाई अकेला व्यंजन नहीं है — हर व्यंजन में “अ” स्वर पहले से मिला रहता है (क = क् + अ)। स्वर बदलने के लिए मात्रा और हटाने के लिए हलंत लगाना पड़ता है, इसलिए इसे अक्षरात्मक-वर्णात्मक (abugida) कहा जाता है।

भाषा और व्याकरण · Hindi vyakaran — हिंदी व्याकरण का व्यवस्थित संदर्भ

hindivyakaran.net/bhasha-vyakaran/lipi-devanagari/